Sahitya Samhita (साहित्य संहिता)
Available at http://www.sahityasamhita.org/
ISSN 2454-2695
Volume 04 Issue 01
January 2018

धन पर निबंध

राहुल यादव

इसमें कोई संदेह नहीं है कि, धन हमारे आवश्यक स्वस्थ जीवन के लिए बहुत ही आवश्यक है। धन हमारे लिए लगभग सबकुछ है। समाज में उच्च पद को बनाए रखने के लिए, यह बहुत ही आवश्यक है। यह केवल धन ही है जो, हमारे जीवन की सभी शुरुआती आवश्यकताओं, आरामऔर जरुरतों को पूरा कर सकता है। यदि किसी के पास धन है, तो वह अपने जीवन में अपनी सभी इच्छाओं को पूरा कर सकता/सकती है, जो उसके व्यक्तित्व के विकास, आत्मविश्वास में सुधार, विश्वसनीय, योग्यता में वृद्धि, क्षमता में वृद्धि और साहस में बहुत बड़े स्तर पर वृद्धि करने में मदद करता है। बिना धन के हम इस संसार में निःसहाय और अकेला महसूस करते हैं, जहाँ कोई भी हमारी मदद और सहायता व सुझाव देने के लिए नहीं होता। इस वर्तमान भौतिक संसार में, धन बहुत ही महत्वपूर्ण और शक्तिशाली वस्तु है, जिसके बिना कोई भी जीवित नहीं रह सकता।

आजकल, गलत ढ़ंग से धन कमाने के लिए बुरे लोग, भ्रष्टाचार, रिश्वत, गैर-कानूनी कार्य, अपहरण, समाज के अमीर लोगों कीहत्या आदि बुरे कार्यों का सहारा लेते हैं, जो मानवता के सभी नैतिक मूल्यों और आदर्शों की ह्रास करते हैं। आलसी लोग धन प्राप्त करने के गलत तरीकों का प्रयोग करते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि, धन कमाने के ये सबसे आसान और सरल रास्ते हैं हालांकि, यह सत्य नहीं है। इन तरीकों से कोई भी व्यक्ति कम समय और प्रयासों में धन प्राप्त कर सकता हैं, लेकिन बहुत अधिक समय तक नहीं। निश्चित ही वो एक दिन आने वाले समय में नष्ट हो जाएगा क्योंकि वो एक गलत और कमजोर रास्ते पर चल रहा था। वे व्यक्ति जो

ISSN 2454-2695
Volume 04 Issue 01
January 2018

मानवता के सभी नियमों का पालन करके धन कमाते हैं, वे कम धन कमाते हैं परन्तु, वह धन बहुत अधिक समय तक प्रयोग में आता है और वे समाज के उच्च सम्मानित व्यक्ति बनते हैं।

भ्रष्टाचार करने वाले लोग अपना धन, दूसरे देशों में, सामान्य जनता से छिपाने के लिए काले धन के रुप में छुपाते हैं और इस धन को वे बुरे कार्यों या अपने भौतिक आराम को बढ़ाने में लगाते हैं। यद्यपि, समाज के आम लोग, गलत तरीकों से धन कमाने वाले लोगों का बहुत अधिक सम्मान करते हैं क्योंकि, वे उन लोगों से डरते हैं। इसके साथ ही उन्हें थोड़ा सा लालच भी होता है कि, यदि वे उन लोगों की चापलूसी करेगें तो उन्हें भी कुछ धन प्राप्त हो जाएगा। ऐसे लोग आमतौर पर, भाई, भाऊ, दादा या डॉन कहे जाते हैं। धन न तो समय को खरीद सकता है और न ही रोक सकता है और साथ में न ही सच्चा प्यार और देखभाल को खरीद सकता है, फिर भी इसकी सभी के द्वारा माँग की जाती है, ताकि जीवन को सही रास्ते पर अग्रसर किया जा सके। यह समय और प्यार नहीं दे सकता हालांकि, खुशी, आत्मविश्वास, सन्तुष्टि, शारीरिक और मानसिक शान्ति अवश्य प्रदान करता है। जिसके कारण जीवन जीने में आसानी होती है और हरेक कठिन समस्या को सुलझाया जा सकता है।

ऊपर दिए गए सभी “धन पर निबंध” विद्यार्थियों की मदद करने के उद्देश्य से पेशेवर लेखकों के द्वारा लिखे गए हैं, जिनमें से विद्यार्थी अपनी जरुरत और आवश्यकता के अनुसार कोई भी ‘धन पर निबंध’ को चुन सकते हैं।धन पर निबंध आमतौर पर, विद्यार्थियों के लिए स्कूल में निबंध प्रतियोगिता के दौरान अपने विचारों को प्रदर्शित करने के लिए दिए जाते हैं।